भारत का राजपत्र Che Gazette of India

असाधाररा EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i) PART II—Section 3—Sub-section (1) NUMER

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 123

नई दिल्लो, बुधवार, मार्च 16, 1988/फाल्गुन 26, 1909

No. 123]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 16, 1988/PHALGUNA 26, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as separate compilation

वाणिज्य मत्नालय

प्रधिमुचना

नई दिल्ली, 15 मार्च, 1988

मा का नि 349(अ) — चाय बोर्ड (सरकार द्वारा नियुक्त चाय सवर्धन निदेशको की भर्ती और सेवा की शर्तें) नियम, 1987 का एक प्रारूप चाय ग्राधनियम, 1953 (1953 का 29) की धारा 49 की उपधारा (1) की अपेक्षानुमार, भारत मरकार के वाणिज्य मंत्रालय की ग्राधम्यना स सा का नि. 11(अ), तारीख 6 जनवरी, 1988 के अधीन भारत के राजपत्न, ग्रामाधारण, भाग—॥, खट 3, उपखड (1), तारीख 6 जनवरी, 1988 के पृष्ठ 8 और 9 पर प्रकाशित किया गया था जिसमे उन मभी व्यक्तियों से 10 मार्च, 1988 तक ग्राक्षेप या सुझाव मांगे गए थे जिनके उसमें प्रभावित होने की सभावना थी,

और उक्त राजपन्न 25 जनवरी, 1988 की जनता की उपलब्ध करी दिया गया था .

और जनता में ग्रभी तक कोई श्राक्षेप या मुझाव प्राप्त नहीं हुआ है ,

ग्रत, ग्रब, केन्द्रीय सरकार, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 49 की उपधारा (2) के खड (घ) के साथ पठित, उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित नियम बनाती है, श्रयीत् ---

1 सक्षिप्त नाम और प्रारम्भ ——(1) इन नियमो का सक्षिप्त नाम चाय बार्ड (सरकार द्वारा नियुक्त चाय समर्थन निदेणको री भर्ती और सेवा की शर्ते) नियम, 1988 है।

(2) ये राजपत्र मे प्रकाणन की तारी**ख का प्र**वृत्तः होगे।

- 2 परिभाषाएं :--- इन नियमों भें, जग तक कि नंदर्भ से अन्यया अपेक्षित न हो,---
 - (क) "प्रधिनियम" से चाय प्रधिनियम, 1953 (1953)का 29) प्रभिप्रेत है;
 - (ख) "नियुक्ति प्राधिकारी" मे ---
 - (1) ऐसा प्राधिकारी, जो ऐसे पद पर, जिसको श्रधिकारी तत्समय धारण करता है, नियुक्ति करने के लिए संशात है, या
 - (2) ऐसा प्राधिकारी, जिसने अधिकारी की नियुक्ति ऐसे पद पर की है, जिसकी वह तत्समय धारण करना है;

श्राभिप्रेत है;

- (ग) "बोर्ड" मे, श्रिधिनियम की धारा 4 के प्रधीन स्थापित च।य बोर्ड श्रिभिप्रेन है;
- (घ) "सरकार" से, केन्द्रीय सरवार ध्रभिष्ठेत है ;
- (इ) "ग्रधिकारी" से, बोर्ड का सिचव या श्रधिनियम की धारा 9 के श्रधीन सरकार द्वारा नियुक्त कोई श्रन्य श्रधिकारी श्रभिन्नेत है और इसमें सरकार का कोई ऐसा श्रधिकारी भी सम्मिनित है, जो बोर्ड को उधार दिया गया है;
- (च) "वेतन" से सरकारी सेवकों को लागू मूल नियम और अनुपूरक नियमों में यथा परिभाषित वेतन अभिन्नेत हैं;
- (छ) "ग्रन्सूची" से, इन नियमों में संलग्न ग्रनुसूची आभिग्रेत हैं।
- लागू हं।ता.—ये नियम श्रनुमूची के स्तम्स । भें विनिदिंग्ट पदों कं। लागू होंगे।
- 4. वेतनमान और अर्हनाएं.--उक्त पद का वेतनमान अनुसूची के स्तम्भ 4 में दिया गया है। मीधी भर्ती किए जाने वाले ध्यक्तियों के लिए और उनके लिए जो अव्यक्तियों के लिए और उनके लिए जो अव्यक्तियों के सिंग की किए जाने हैं, न्यूनतम अर्हनाएं वे होंगी जा अनुसूची के स्तम्भ 8 में विनिर्दिष्ट है।
- 5. भर्नी की पद्धति.—भर्ती को पद्धति और उसमें संबंधित ग्रन्य बातें वे होंगी जो ग्रनुसूची के स्तम्भ 11 और स्तंभ 12 में विनिदिण्ट है।

- 6. ग्राप् .--- उक्त पदों में से किसी पद पर मीधी भनी के लिए चयन करते समय अधिकतम ग्रायु सीमा वह टोगी, जो ग्रातमुची के स्तम्भ 6 में विनिद्धिट है।
 - 7 निरद्रेताएं :-- यह व्यक्ति, --
 - (क) जिसके ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या
 - (ख) जिसने अपने पति या श्रमनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है;

उक्त पदों पर नियक्ति का पात्र नही होगा:

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह ममाधान हो जीता है कि ऐमा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के भ्रत्यीन अनुजेश है और ऐसा करने के लिए भ्रन्य भ्राधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

- ह. श्रारक्षण और श्रन्य रियायनें :— उक्त पदों पर नियुक्ति भारत सरकार द्वारा समय समय पर नागरिकों के किसी प्रवर्ग या वर्ग को उपबंध किए जाने के लिए श्रोक्षित श्रारक्षणा और श्रन्य रियायनों के श्रधीन रहते हुए हांगी।
- 9. ज्येष्ठना:— िकसी ग्रेड में किसी ग्रिधिकारी की ज्येष्ठना इस धर्न के ग्रिधीन रहने हुए कि प्रत्येक थेड के स्थायी ग्रिधिकारी उन व्यक्तियों से ज्येष्ठ होगे, जो उन ग्रेड में स्थानापन्न रूप में सेवा कर रहे हैं, निम्नानुसार श्रवधारित की जाएगी, श्रर्थात् —

(क) मीधी भर्ती

मभी सीधे भर्ती किए गए व्यक्तियों की सापेक्ष-ज्येष्टता गुणागुण के उस क्रम द्वारा श्रवधारित की जाएगी, जिसमें उनका ऐसी नियक्ति के लिए चयन किया गया है; ऐसे व्यक्ति जो किसी पूर्ववर्ती चयन के परिणामस्वरूप नियुक्त किए गए हैं उनसे ज्येष्ट होंगे जो किसी पश्चातवर्ती चयन के परिणामस्वरूप नियक्त किए गए हैं:

परन्तु जहां ऐसे व्यक्तियों की, जो भ्रारंभ में श्रम्थायी आधार पर नियुक्त किए गए हैं, तत्पश्चान उनकी नियुक्ति के समय उपदर्शित गुणागुण के क्रम से भिन्न किसी क्रम में पृष्टि की गई है, वहां ज्येष्टिता भ्रवधारित करने में पृष्टि-करण के क्रम का भ्रनुसरण किया जाएगा न कि गुणागुण के मूसकम का।

- (ख) प्रोन्नत किए गए व्यक्ति .--
- (1) विभिन्न ग्रेडो मे प्रत्नित किए गए व्यक्तियो की साक्षेप ज्येष्टता ऐसी प्रोन्नित के लिए उनके चयन के कम मे श्रवधारित की जाएगी.

परन्तु जहा ऐसे व्यक्तिया की, जो अगरभ म अस्थायी आधार पर प्रोन्तत किए गए हैं, तत्पण्चात उनकी प्रोन्तित के समय उपद्यागित गुणा-गुण के कम से भिन्त किसी कम मे पुष्टि की गई है, बहा ज्येष्ठता अवधारित करने मे पुष्टिकरण के कम का अनुसरण किया जाएगा न कि गुणा-गुण के मून कम का।

(2) जहा किसी ग्रेड मे प्रान्निया एक मे यधिक थेड से में की जानी है, यहा पाद व्यक्तियों को, अलग-प्रतग सूचियों में, उनके अपने अपने ग्रेडों में उनकी साक्षेप ज्येष्ठता के क्रम में व्यवस्थित किया जाएगा। तत्पण्चात, विभागीय प्रोन्निति समिति, प्रत्येक सूची में विहित कोटा तक प्रोन्निति के लिए व्यक्तिया का चयन करेगी और विभिन्न सूचियों की गुणागुण के समेकित क्रम में व्यवस्थित किया जाएगा जिससे उच्चतर ग्रेड में प्रोप्तित के तिए व्यक्तियां की प्रोप्ता अप्रार्थित की जाएगी।

मोबे भर्नी किए गए व्यक्तियो और प्रोन्तत किए गए व्यक्तियाकी सापेक्ष ज्येष्टता, सीधे भर्ना किए गए और प्रोन्ता किए गए व्यक्तियों के बीच रिक्तियों के चकातुक्रम के अनुसार अयधारित की जाएगी, जो भर्नी नियमों में क्रमण सीधी भर्नी और प्रोन्नित के लिए आरक्षित रिक्तियों के काटे एर आधारित होगी।

- 10 चिकित्सीय प्रमाणपत प्रत्येक व्यक्ति स उसके दारा पद का कार्यभार ग्रहण करते समय, किसी सक्षम प्राधि-शरी द्वारा जारी स्राशेग्यता प्रमाणपत स्रपेक्षित होगा।
- 11. परिवीक्षा की ग्रवधि:—इन नियनों के श्रधीन, मीधी भर्नी द्वारा या प्रान्तित द्वारा किसी पद पर नियनन किया गया प्रत्येक व्यक्ति, श्रानी निर्मात नियुक्ति की उस तारीख से जिसको उसे नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा उसकी परि-

बीक्षा की श्राप्ति का प्रारम्भ होता धावित किया गया है, उस पद पर दो वर्ष की श्रवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेगा :

परन्तु नियुक्ति प्राधिकारी ऐसे कारणा से, जो लेखबढ़ किए जाएगे, परिवीक्षा प्राधि को, उस प्रविधि या प्रविधियो तक जो तह ठीक समझे बढ़ा सकेगा।

- 12 मेवा की या परिवीक्षा अविवि की समाप्ति .---
- (1) निमुलित प्राजिकारी, सीधी भर्ती द्वारा किसी पदपर तिमुक्त किसी अधिकारी की सेवा समाप्त कर सकेगा या प्रोन्तित द्वारा नियुक्त किसी अधिकारी की, बिना कारण बनाए, परिमोता को अम्बि के या परियोक्षा की यढ़ाई गई प्रप्रधि क दीपन या उत्तको पमाप्ति पर उन पद पर प्रत्या-वित्ति कर सकेगा, जिसे वह ऐपी पोन्तित से पूर्व धारण कर रहा गा। पदि हा पद पर उसका कार्न और आवरण समाजानबद नहीं नाया जीता है।
- (2) यदि परियोक्षा की श्रवित के दौरान उसका कार्य और प्रतिरंग समाधानप्रदे पाएं जाते हैं तो नियुक्ति प्राधि-कारी, जवारिजी, परियोक्षा की बिहित स्वर्धि के समाप्त होते ही या परिवीक्षा को बढाई गई अविध के दौरात या उसके पूरा होने के पाचान, बोवगा करेगा कि उसने अविधी परिवीक्षा प्रवीध समाधानद का से पूरी कर ली है।
- 13 पगान फायद '— पेगान संबंधी और सेवानिवृति फायद भौर अधिकारियो की सेवा की अन्य गर्ने बैसी होंगी जैसी कि इस अधिनियम के अधीन बनाए गए सुसंगत नियमों के अधीन समय समय 'पर बिद्दिन की जाएं।
- 1) राग को खरा गाँ -- उका पदो पर नियुक्त व्यक्तिया की ऐसे विषया की अजन, जिसके लिए इन नियमों में काई उान-ज नहां किया गया है, सेवा की खर्य मतें वहीं देशी, जा नाम सरकार की पता से तत्समान प्रवर्ग क प्रिकारिश का लागू हाती है।

			भनुसूची			
 देद का नीम	— पदा की सथ्या	— – त्रर्गीक"रण	चे पनमान	— — — — — — — — पद भथवाश्रचयन पद	मीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तिया के लिए ब्राय सीमा	सेवा में जाड़े गए प्यक्ति फायदा कन्द्रीय सिथिल सेवा (पशन) नियम, 1972 के नियम 30 के झर्झीन प्रमुच्ये हैं या नहीं
1	2	3	- 1	5	. 6	7
। निदेशक (चाय संबर्धन) येंड 1 मुख्यालय 1 लन्दन 1 मुसल्स, 1	उ ^६ (1948) कायभार के स्नाधारपर परिवर्तन किया जा सक्ता है।		3700 5000 (पुनरीक्षित)	 क चयन	ग्रक्षिमानत ८० वर्षसे कम	 ह्
			_		-	
ीधे भर्ती किए जान ।रहै, कलिए ग्रपें	ा वोल रुपक्लि यो उनके लिए क्षित गैक्षिक भीर ग्रन्य शहर	जा भ्रत्यकातिक संस्		व म्रईताण प्र	 वान व्यक्तियों के लिए विहित ोन्तत व्यक्तिया की देशा में ल	
	ч			G		10
			_	— — न र ी		—— — दावर्ष

या समतुत्य ।

(11) किसी प्रचार ग्रीर/या विकापन सगठन में कार्यपालक स्तर पर कम संकम 10 यप ताश्रनुभन या निर्यात श्रीर विकय समर्थन मंग्रनु-भय । विपणन ऋनुसधान और सर्वेक्षण कर सकते से समर्थाना चाहिए श्रीर विभिन्न प्रचार माध्यमा व उपयोग करने की पद्धति से पूर्ण रूप से परिचित्त होनाचाहिए ।

भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रान्तित द्वारा या प्रतिनियुक्ति! स्थानास्तरण हारा तथा विभिन्त पद्मतिया द्वारा भरी जान वाली रिक्तिया की प्रतिशतता

11

प्रान्तिति/प्रतिनियुक्ति/स्थानास्तरण द्वारा भन्नी की दणा मं ने श्रेणिया जिनसे प्रोन्तिनिप्रतिनियुक्ति/रथानास्तरण किया जाएगा।

चाय बोर्ड के भीतर पान्न पदधारिया की प्रान्तित या स्थानान्तरण द्वारा, जिसके न हो सकते पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा या सीधी भर्ता क माध्यम से भ्रत्यकालिक सर्विदा द्वारा ।

(1) प्रास्तिति 3000-5000 र क वेतनसान मे निदेशक (भाय सप्रर्धन) ग्रेड II में से जिसने कम न कम 7 वर्ष नेवा की है। (2) स्थानान्तरण • (जिसक ग्रस्तर्गत पार्ध्व स्थानान्तरण भी 🐉)/ प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण (जिसके श्रतगैत श्रत्यकालिक संविदा मी हैं) नेन्द्रीय सरकार/राज्य सरकारो के श्रधीन ऐसे अधिकारी, जो सकृण पद धारण करते है या जिन्होंने 3000- 1500 र या समनुत्य बेतनमान बाले पदो पर क्षम से कम 5 वर्ष सेवा की है और जाय सवर्धन से पर्याप्त ज्ञान रखने है (प्रतिनियुक्त व्यक्तिया क लिए अधिमानत भ्रौर उनके लिए भ्रावश्यक जा सबिदा पर भ्रा रहे है) (प्रतिनियुक्ति/सर्विदा की श्रविध उ वर्ष होगी) । सर्विदा पर नियुक्तिया खुली प्रतियागिता से हीगी।

(3) चाय बोर्ड सरकार की सहमित में पदा को अवेक्षानुसार एक कन्द्र से दूसर केन्द्र पर या किसी नए स्थान पर बदन सकेगा।

चयन समिति भी सरवना

मर्ती करने के लिए किन परिस्थितियों में सद्य लोग केवा धायाग स परामर्शकिया जाएगा।

(क) मचिव/अपर गिचव, याणिज्य मन्नालय

(स्त्रः) समुक्त सचित्र, वाणिज्य मन्नालय

(ग) अध्यक्ष, चाय बोड

(छ) चाय बोड की कार्यपातक समिति का, एक सदस्य

14

लागूनई। होता

T <u>ransa</u>	· • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	3	4	5	- 	7	
े निवेशक (भाग मवर्धन) ग्रेड II न्युवार्क 1 सिउनी 1 फाहिरा 1			3000—5000 (पुनरीक्षित)) श्र चयन 	प्रक्षिमानन 10 वर्षम सम	- <u> </u>	
-	 8	w		 9		 10	
— -— प्रावश्यक			~	 नर्हा		-————————————————————————————————————	
े या समतृत्यः। (।।) किसी प्रकार सबर्धन में का विपणन प्रनुम और विभिन्न	प्राप्त विश्वविद्यालय से कारबार प्रोर/या विज्ञापन सगठन से य र्यपालक स्तर पर क्स से क्स प्राप्त प्रोर सर्वेक्षण कर सकते प्रचार साध्यमों के उपयोग क कत होना चाहिए।	ानिर्यात और र तीन वर्षका स मेसमर्थहोना च	वेत्रय ग्रनुभव । ग्रहिंग			<u>-</u>	
	- ^						
				(1) प्रोन्नित ऐसे उपनिदेशको (चाय सबधर्न)/विषणन सपर्का प्रधिकारिया में ने जिन्होंने कम से कम 5 वर्ष सेवा की है। (2) स्थानान्नरण (जिसके अन्तर्गत पार्श्व स्थानान्नरण भी है) /प्रति नियुक्ति पर स्थानान्नरण/अल्पनानिक सिवदा कन्द्रीय मरकार, राज्य सरकारों के अधीन ऐसे अधिकारी जो सदृश पत्र धारण करते हैं या जिन्होंने 3000—4500 क या समतृत्य वेतनमान बाले पद्य पर कम से कम 3 वर्ष सेवा की है और चाय सवर्धन का भार उनने लिए आवश्यक को सिवदा पर आ रहे हैं) (प्रतिनियुक्त स्विदा के श्रिप आवश्यक को सिवदा पर आ रहे हैं) (प्रतिनियुक्ति/संविदा के श्रवधि तीन वर्ष होगी)। सविदा पर नियुक्तिया खुली प्रतियोगित में होगी।			
						ति से पदो को श्रपेक्षानुसार एक सी नए स्थान पर बदल सकेगा।	
	-						

MINISTRY OF COMMERCE

NOTIFICATION

New Delhi, the 15th March, 1988

G.S.R. 349(E).—Whereas a draft of the Tea Board (Recruitment and Conditions of Service of Directors of Fea Promotion apprinted by Government) Rules, 1987 was published, as required by sub-section (1) of section 49 of the Tea Act, 1953 (29 of 1953), at pages 8 and 9 of the Gazette of India Extraordinary, Part-II, Section 3. Sub-section (i), dated the 6th January, 1988, with notification of the Government of India in the Ministry of Commerce No. GSR 11(E) dated the 6th January, 1988 inviting objections or suggestions from all persons likely to be affected thereby, till the 10th Match, 1988;

And whereas the said Gazene was made available to the public on the 25th January, 1988;

And whereas no objections or suggestions have been received from the public so far;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with clause (d) of sub-section (2) of section 49, of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Tea Board (Recruitment and Conditions of Service of Directors of Tea Promotion appointed by Government) Rules, 1988.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires :—.
 - (a) 'ACT' meals the Tea Act, 1953 (29 of 1953);
 - (b) appointing authority means: -
 - (i) the authority empowered to make appointments to the post which the officer for the time being holds, or
 - (n) the authority which appointed the flicer to the post which he for the time being holds;
 - (c) 'BOARD' means the Tea established under section 4 at the Act;
 - (d) 'GOVERNMEN1' means the Central Government';

- (e) 'OFFICER' meals the Secretary to the Board or any other officer appointed by the Government under section 9 of the Act and includes an officer of the Government lent to the Board,
- (f) 'Pay' means the pay as defined in the Fundamental Rules and Supplementary Rules applicable to the servants of the Government;
- (g) 'Schedule' means the Schedule appended to these rules.
- 3. Applications.—These rules shall apply to the posts specified in column 1 of the Schedule.
- 4. Scale of Pay and Qualifications.—The Scale of Pay attached to the said post is given in column 4 of the Schedule. Minimum qualifications for the direct recruits and those recruited on short-term contract basis shall be as specified in column 8 of the Schedule.
- 5 Methods of recruitment.—The method of recruitment and other matters relating thereto shall be as specified in columns 11 & 12 of the Schedule.
- o. Age.—The maximum age-limit the time of selection for direct recruitment to any of the said posts shall be as specified in column 6 of the Schedule.
- 7. Disqualifications, (a) No person who has entered into or contracted a marriage with any person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said posts:
 - Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.
- 8. Reservation and other concessions.—The appointment to the said posts shall be subject to reservations and other concessions required to be provided to any category or class of citizens from time to time by the Government of India.
- 9. Seniority.—Subject to the condition that the permanent officers of each grade shall be ranked senior to the persons who are officiating in that grade, the seniority of any officer in any grade shall be determined as follows namely:—

(a) Direct Recruitment

The relative seniority of all direct recruits shall be determined by the order of merit in

which they are selected for such appointment, persons appointed as a result of an earlier selection being senior to those appointed as a result of a subsequent selection:

Provided that where persons recruited initially on a temporary basis are confirmed subsequently in an order different from the order of merit indicated at the time of their appointment seniority shall follow the order of confirmation and not the original order of merit.

(b) Promotees:

- The relative seniority of persons promoted of the various grades shall be determined in the order of their selection for such promotion:
- Provided that where persons promoted initially on a temporary basis are confirmed subsequently in an order different from the order of merit indicated at the time of their promotion, seniority shall follow the order of confirmation and not the original order of merit.
- (ii) Where promotions to a grade are made from more than one grade, the eligible persons shall be arranged in separate lists in the order of their relative seniority in their respective grades. Thereafter, the Departmental Promotion Committee shall select persons for promotion from each list upto the prescribed quota and arrange different lists in a consolidated order of merit which shall determine the seniority of the persons for promotion to the higher grade.
- The relative senionity of direct recruits and of promotees shall be determined according to the rotation of vacancies between direct recruits and promotees which shall be based on the quotas of vacancies reserved for direct recruitment and promotion respectively in the Recruitment rules.

- 10. Medical Certificate.—A medical certificate of fitness from a competent authority shall be required from every person at the time of his joining the post.
- 11. Period of Probation,—Every person appointed to a post under these rules, by direct recruitment or by promotion, shall be on probation in that post for a period of two years with effect from the date of his regular appointment in which he is declared by the appointing authority to have commenced probation:
 - Provided that the appointing authority may, for reasons to be recorded in writing extend the period or probation by such period or periods as it deems fit.
- 12. Termination of service or probation.—(i) The appointing authority may terminate the services of any officer appointed to a post by direct recruitment or revert without assigning any reasons any officer appointed to a post by promotion to the post held by him before such promotion during or at the end of the period of probation or the extended period of probation, if his work or conduct in that post is found to be unsatisfactory.
- (ii) If this work and conduct were found to be satisfactory during the period of probation the appointing authority shall, as soon as the prescribed period of probation is over or during the extended period of probation or after its completion, as the case may be, declare that he has completed his probation satisfactorily.
- 13. Pension benefits.—The persionary and retirement benefits and other conditions of service of officers shall be such as may be prescribed from time to time under relevant rules made under the Act.
- 14. Other conditions of service.—The other conditions of service of the persons appointed to the said posts in respect of matters for which no provision is made in these rules shall be the same as are for the time being applicable to officers of corresponding category in service in the Government.

anks Act 1873 (5 of 1873), the Central Government hereby makes the following rules to amend the National Savings Scheme Rules, 1987, namely:—

- 1. (1) These rules may be called the National Savings Scheme (Amendment) Rules, 1988.
- (2) They shall come into force on the 1st day of April, 1988.
- 2. In rule 5 of the National Savings Scheme Rules, 1987 for sub-rule (3), the following sub-rule shall be substituted, namely:—
 - "(3) There shall be not more than one deposit every month, so however, that the total deposits in a year do not exceed thirty thousand rupees."

[F. No. 3|16|88-NS-(II) (i)]

Note: The principal rules were published vide Notification GSR 335 (E) dated 30th March, 1987.

मा .का .ित : 352(म्र) :—केन्द्रीय सरकार, राष्ट्रीय बचत स्कीम नियम, 1987 के नियम 6 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त भनितयों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (मार्थिक कार्य विभाग) की श्रिधसूचना सा.का.नि. 336(श्र), तारीख 30 मार्च, 1987 को श्रिधिकांन करते हुए, श्रिधिसूचित करती है कि तारीख 1-4-1987 से राष्ट्रीय बचत स्कीम में किये गये निक्षेपों पर ब्याज की दर 11 प्रतिशत होगी।

> [फा.सं. 3/16/88-एन एस-II(ii)] के एस. शास्त्री, अपर सचिव

G.S.R. 352 (E):—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 6 of the National Savings Scheme Rules, 1987 and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) No. GSR 336 (E), dated the 30th March, 1987, the Central Government hereby notifies that the rate of interest on deposits made in the National Savings Scheme shall be 11 per cent from 1-4-1987.

[F. No. 3]16[88-NS-(II) (ii)]K. S. SASTRY, Addl. Sery.

14

media for publicity.

11 12 10 nsfer on deputation (including short-term contract) : Officers under the Central/ State Govts, holding analogous posts or with atleast 5 years service in posts in the scale of Rs. 3000-4500 or equivalent and having sufficient knowledge of tea promotion (preferred for deputationists and essential for those coming on contract) (period of deputation/ contract will be 3 years) Appointments on contracts would be from the open

Executive Committee of Tea Board,

13

2 1 Rs. 3000-Selection Proferably below ESSENTIAL: Yes. 2. Director (Tea Promotion) (1988) 5000 40 years. (i) Degree in Business/ *Subject (Revised) Marketing Manage-Grade-II ment from a recognised New York -- I to vari-University or equivaation Sydney-1 lent. Cairo-1 depen-(ii) Atleast 3 years experi-Kuwait-1 ding on ence at executive level workin a publicity and/or load. advertising organisation or in exports and sales promotion. Must be capable of undertaking market research and surveys and thoroughly acquainted with the method of utilisation of different

market.

ment.

(3) Tea Board with the concurrence of Govt. may shift the posts from one station to the other or to a new place as per require-

9	10	11	12	13	14	
Ĭo.	Two years	By promotion or transfer of eligible officials within the Tea Board, failing which by transfer on deputation or short-term contract through direct recruitments		Executive Committee of fea Board.	Not Applicable,	
			(3) Tea Board with the concurrence of Govt may shift the posts from one station to other or to a new place as per requirement.	3 3		

[No. K: 12012(2)/86 Plant A]
O. P. GAHROTRA, Jt. Secy.